Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

APF–2016

M.A. (Final) Examination, 2022

RAJASTHANI

Paper - IV (III)

(विशिष्ट साहित्यकार– जनकवि गणेशलाल व्यास 'उस्ताद')

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

(सगळा सवालां रा उत्तर राजस्थानी में ई देवणा है।)

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सगळा **दस** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरेक सवाल वास्तै **50** सबद अर 2 अंक राखीज्या है।

(खण्ड–ब) **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात सवालां मांय सूं किणी **पांच** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरेक सवाल वास्तै **200** सबद अर **8** अंक राखीज्या है।

(खण्ड–स) **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार सवालां मांय सूं किणी **दोय** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरेक सवाल वास्तै **500** सबद अर **20** अंक राखीज्या है।

खण्ड–अ

1. नीचै लिख्या सवालां रा उत्तर दिराओ–

(i) "जो रीतां जन रा पग बांधै, बांरी नाड़ मरोड़ो" ओळी सूं जनकवि उस्ताद रो कवि अभिप्राय है ?

(ii) जनकवि गणेशलाल ने कई बार जेळ जावणो पड्यो। क्यूं ?

(iii) साहित्य अकादमी, नई दिल्ली सूं गणेशलाल व्यास 'उस्ताद' माथै केंद्रित पोथी किण सिरैनाम सूं अर किणरै संपादन में छपी ? दोनूं नाम बताओ।

(iv) "आप कहो ज्यूं छाप दै, देखै दस कलदार" ओळी में कवि किण माथै अर काईं व्यंग्य करै ?

(v) गणेशलाल व्यास 'उस्ताद' कितरी जमात ताणी री औपचारिक भणाई करेड़ा हा ?

(vi) पद्मश्री विजयदान देथा रै मुजब उस्ताद रै सबदकोस में 'कामधेण' सबद रो अरथ काईं हो ?

(vii) "इण दिस सुख री पड़ी न झाईं/राज बदळग्यो म्हांनै काईं" में कवि कुणसी पीड़ा नैं बखाणी है ?

(viii) जनकवि 'उस्ताद' आपरी कवितावां में वीर-नायकां री ठौड़ किणनैं ढोलां रै ढमकै बधाया अर बिड़दाया है ?

(ix) "जन-जन रै पग बेड़ी ही/जनता गाडर जैड़ी ही" काव्य-ओळी में आयोड़ा 'बेड़ी' अर 'गाडर' सबदां में संकेतित अरथ उघाड़ो।

(x) राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर सूं गणेशलाल व्यास उस्ताद री याद में किण नाम सूं अर कितरी धनराशि रो पुरस्कार दियो जावै ?

खण्ड-ब

2. आधुनिक राजस्थानी प्रगतिशील काव्यधारा री अेक नामी कविता रै रूप में उस्ताद कृत 'जुगवाणी' री विरोळ ओपतै दाखलां सेती करो।

3. "उस्ताद अैड़ा रचनाकार हा, जकां री सीख, संदेस अर चेतावणी रो समचो पैली आपोआप सारू हो, पछै खलक-मुलक सारू" इण कथन री दीठ सूं उस्ताद री रहणी-कहणी री समानता नैं उजागर करो।

4. नीचै लिखी ओळियां री प्रसंग सेती व्याख्या करो—

भलो डुबोयो देस नैं, कायम कर जन राज।

पूजा परमिट पंथ री, रिसवत रै सिर ताज।

रिसवत रै सिर ताज, दाझगी जनता सारी।

घर-घर मांडी हाट, दलाली ठेकेदारी।

उस्तादां री आण, काण रा प्राण सिकै है।

पड्या अडाणां राछ, नगद में काछ बिकै है॥

5. नीचै लिखी ओळियां री प्रसंग सेती व्याख्या करो–

अरे मानखा! इण जुग जीवण री गत वेगी

पिण क्यूं थारां डिगमिग पगल्या ?

मन हीणो है/डरप मती

दो हाथ मजूरी कामधेण

धरती धीणो है।

6. नीचै लिखी ओळियां री प्रसंग सेती व्याख्या करो–

रण धूंसा रजथान रा, बै जूना इकबार।

इण जुग आडा पसरग्या, लोभ किया लाचार॥

जन मन ज्यांनैं जाणतो, जुग जीवण पतवार।

पूंछ बंध्या गोडा घिसै, विग्यापन री लार॥

7. नीचै लिखी ओळियां री प्रसंग सेती व्याख्या करो–

कमतर मुगत कमाऊ नारी/किणरी संपत, किणरी क्यारी

गाडी किणरी, किसो सागड़ी/कुंत्यां जणसी करण कंवारी

आ मरवण कुंती सरमिस्ठा/जीवै है पासाण नहीं है

काका कूक्यां काण नहीं है/बीती उणमें प्राण नहीं है॥

8. नीचै लिखी ओळियां री प्रसंग सेती व्याख्या करो–

ऊबड़खाबड़ सड़क अजाणी/सैंजोड़ै बधसी जिंदगाणी

तड़फड़तो जाग्यो जुग जोबन/नखता नेड बसासी ढाणी

भू-बंधणां रा तार टूटसी/जीवण नवी बणासी गेल

मजलां ढाण धकै पग मेल/चोट पड़ै हंसतै मुख झेल

खण्ड–स

9. उस्ताद कृत 'बंदा मैणत री जय बोल' कविता रै निहितार्थ रो खुलासो करतां कवि री जीवटता अर संवेदनशीलता नैं उजागर करौ।

10. जनकवि गणेशलाल व्यास 'उस्ताद' रै जीवण अर सिरजण री ओळखाण करावतां अेक आलेख मांडो।

11. जनकवि गणेशलाल व्यास 'उस्ताद' री काव्यगत विशेषतावां माथै अेक आलोचनात्मक निबन्ध लिखो।

12. "जनकवि 'उस्ताद' री कवितावां में सामाजिक रूढ़ियां माथै प्रबळ प्रहार हुयो है" इण कथन री सारथकता साबित करण सारू उस्ताद री कवितावां रा ओपता दाखला देवतां अेक लेख मांडो।